बाबा से दिल क्यों लगाता है

ये मैं जानु मेरा बाबा जाने

1. जितना दिल से उसे याद किया
उतना उसने आबाद किया
बदनामी का फल क्या पाया है
ये मै जानु मेरा बाबा जाने
बाबा..............

2. मैं तो नही काबिल चरणों के
उसकी धूल बराबर नहीं
मुझे गले से फिर क्यों लगाया है
ये मै जानु मेरा बाबा जाने

3. मिलता भी है मिलता भी नही
नजरों से मेरी हटता भी नही
दिल मे क्यों उसे बसाया है
ये मै जानु मेरा बाबा जाने
बाबा ....

***

www.jalgodriwala.com